DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI
Semester – II

SESSION : 2022-23

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A^+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शास. वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2022–2023

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2022–2023 हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

द्वितीय सेमेस्टर 2022–2023

प्रश्नपत्र प्रथम :– हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक) भाग–2	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) भाग–2
प्रश्नपत्र तृतीय :– काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (आधुनिक समीक्षा सिद्धांत तथा हिन्दी आलोचना) भाग–2	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति) भाग–2
प्रश्नपत्र पंचम :– जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य) भाग–2	

शैक्षणिक सत्र 2022–2023 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	<u>विभागीय सदस्य</u>
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र दीपक सोनी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2021–2022 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।

ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएंगे।

iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 3.	व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	6 अंक
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंर्तगत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तुति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

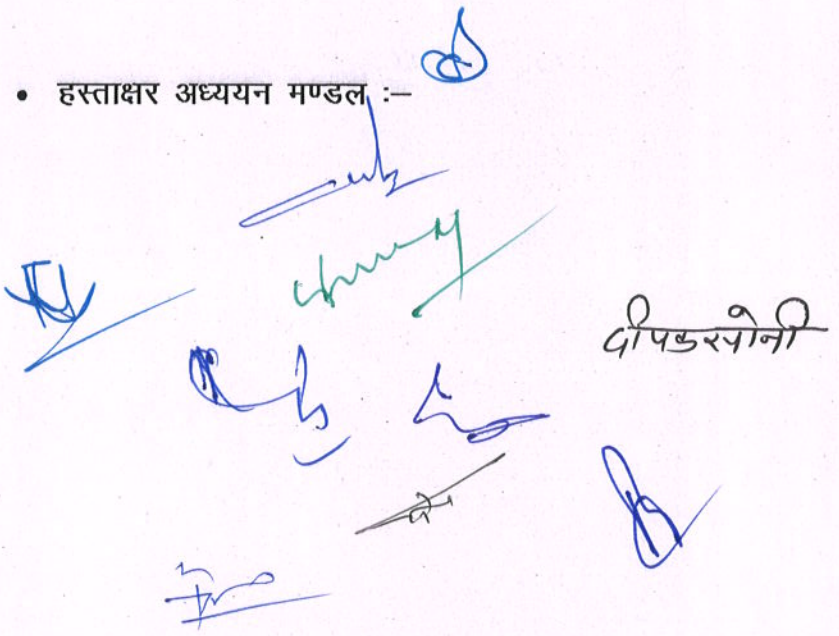

द्वितीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2022–2023

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	80	16	20	04	5
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	16	20	04	5
III	काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन	80	16	20	04	5
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	80	16	20	04	5
V	जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेश सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. जयप्रकाश साव
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र दीपक सोनी

द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग – 2
(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. रीतिकाल की साहित्यिक परंपरा का सम्यक ज्ञान तथा रीति-साहित्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान-परंपरा और उसकी सामान्य पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।
3. हिंदी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना तथा समाजशास्त्रीय पद्धति से उसे समझने की प्रणालियों की जानकारी देना।
4. हिंदी में गद्य के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) – काल सीमा, नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2. आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण,
भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3. द्विवेदी युग –प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4. हिन्दी गद्य का विकास –
गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों कहानी, उपन्यास, निबंध का उद्भव और विकास, सामान्य प्रवृत्तियाँ नाटक का उद्भव, विकास और सामान्य प्रवृत्तियाँ (गीति–नाटकों का परिचयात्मक विवेचन) ।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बींसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे बाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई

5. हिन्दी कहानी – उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

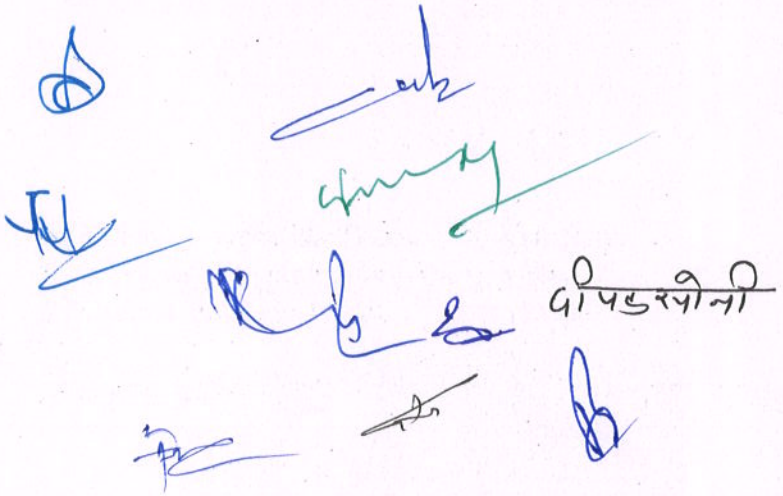

सत्र – 2022–2023
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग – 2
(सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचित कराना।
2. भक्तिकाल के महान कवियों सूरदास और तुलसीदास के काव्य-वैशिष्ट्य और उनकी कविता की लोकहितकारी भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. रीति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी भावभूमि से परिचित करना।
4. भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सूरदास – भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (50 पद)।
पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)।

इकाई 2. तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर।

इकाई 3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर, संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)।

इकाई 4. घनानंद – घनानंद कवित : संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 छंद)
मध्यकालीन काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर

4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल शर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**
-

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	<u>विभागीय सदस्य</u>
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2022–2023
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन भाग – 2
(समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत तथा हिंदी समीक्षाशास्त्र)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. आधुनिक साहित्य-समीक्षा की प्रमुख वैचारिक प्रणालियों एवं उनके मानदंडों का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-आलोचना की विभिन्न धाराओं का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि की जानकारी तथा हिंदी के निजी समीक्षाशास्त्र की संभावनाओं के संबंध में सजगता विकसित करना।
4. व्यावहारिक समीक्षा की विभिन्न पद्धतियों एवं प्रविधियों का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. आधुनिक समीक्षा के प्रमुख सिद्धांतः अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।

इकाई 2. हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण काव्य–परंपरा।
हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉं : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, प्रगतिशील।

इकाई 3. प्रमुख हिंदी आलोचकों की समीक्षा–दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा डॉ. नामवर सिंह ।

इकाई 4. व्यावहारिक समीक्षा : प्रश्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।
निराला–कुकुरमुत्ता; जूही की कली) , अज्ञेय–साम्राज्ञी का नैवेद्यदान मुक्तिबोध–भूल गलती, रघुवीर सहाय–रामदास,

अंक विभाजन

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2
2. डॉ. भागवत स्वरूप मिश्र – हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास

दीपक सोनी

3. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
4. डॉ. शिवकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य
5. डॉ. नंदकिशोर नवल – हिन्दी आलोचना का विकास
6. योगेन्द्र शाही – अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक
7. रणधीर सिन्हा – आलोचक रामविलास शर्मा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	<u>विभागीय सदस्य</u>
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. जयप्रकाश साव
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र दीपक सोनी

सत्र 2022–2023
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य भाग– 2
(उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. हिंदी के गद्य-साहित्य का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-उपन्यासों के अनुभव-संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का प्रयत्न करना।
3. एकांकी विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा सामाजिक जीवन के साथ एकांकी के संबंधों का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी के गद्य-साहित्य से परिचय कराना तथा उसकी संवेदनात्मक बुनावट की समझ प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द
इकाई – 2 उपन्यास – मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई – 3 एकांकी – रंग सप्तक – विभु कुमार, डॉ. एस.जे. केकरे, डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल
1. औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
2. एक दिन – लक्ष्मीनारायण मिश्र
3. स्ट्राइक – भुवनेश्वर
4. तौलिए – उपेन्द्रनाथ अश्क
5. मम्मी ठाकुराइन – लक्ष्मीनारायण लाल

इकाई – 4 चरितात्मक कृति :–
पथ के साथी : महादेवी वर्मा (केवल दो निबंध) – (1) निराला भाई (2) सुभद्रा

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
4. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ तनेजा
5. प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरू
6. हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा

7. हिन्दी के प्रमुख आंचलिक उपन्यासकार – डॉ. शकुन्तला सिंह
8. हिन्दी एकांकी की उद्भव और विकास – डॉ. रामचरण महेन्द्र
9. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
10. हिन्दी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव तनेजा
11. महादेवी : प्रतिनिधि गद्य रचनाएँ – संपादक – रामजी पाण्डेय

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेत्री सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपक सोनी

सत्र 2022–2023

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – पंचम

जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी भाग– 2

(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने की दिशा में रुझान विकसित करना।
2. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. छत्तीसगढ़ की संघर्ष-परम्परा, विशेषतः 1857 के क्रांतिकारी योद्धा वीर नारायणसिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथम स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता विकसित करना।
4. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाटकों का परिचय करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सुन्दरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, नारायणलाल परमार, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, भगवतीलाल सेन, मुरली चन्द्राकर ।

इकाई 2. सतवंतिन सुकवारा : श्याम लाल चतुर्वेदी, कउंवा, कबूतर अउ मनखे : परमानंद वर्मा, फिरंतिन मौसी दाई : शिवशंकर शुक्ल, गोरसी के गोठ : डॉ. पालेश्वर शर्मा

इकाई 3. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी खंड काव्य) हरि ठाकुर (सर्ग 1, 2, 3)। करमछड़हा (नाटक) खूबचंद बघेल। परेमा (एकांकी) नंद किशोर तिवारी ।

इकाई 4. आवा (उपन्यास) परदेसीराम वर्मा एवं बहू हाथ के पानी (उपन्यास) दुर्गा प्रसाद पारकर

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य :
   सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.–5 सेक्टर–1, शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) :
   मदनलाल गुप्ता, श्री प्रकाशन ए–14 आदर्श नगर दुर्ग
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा :
   नंद किशोर तिवारी, आमीनपारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर.
4. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (खंड काव्य) : हरि ठाकुर

सत्र – 2022–2023
द्वितीय सेमेस्टर
लोक साहित्य भाग – 02
छत्तीसगढ़ी : छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा साहित्य (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 205B

पूर्णांक :– 80

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ी का लोक-साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधरूपात्मक है। इसकी विपुल विविधता, विलक्षण सर्जनात्मक ऊर्जा और श्रमजीवी समाज के कर्म-सौंदर्य का साक्षात्कार इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक समझ उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन और छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य के विषय मे समुचित जागरूकता, अभिरुचि और संवेदनशीलता विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध उसके श्रमजीवी समाज तथा उसकी लोक-संस्कृति के प्रति सम्मान भाव जागृत करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई-1. छत्तीसगढ़ी लोक-काव्य : करमा गीत, ददरिया गीत, सुआ गीत, फाग गीत, गउरा गीत, भोजली गीत, संस्कार गीत (सोहर गीत, बिहाव गीत), जस गीत, पंथी गीत

इकाई-2. छत्तीसगढ़ी लोक-कथा : सामान्य परिचय। लोक-कथा – बकरी और बाघिन, देही तो कपाल का करही गोपाल, महुआ का पेड़, बाघ और सियार, चम्पा और बाँस।

इकाई-3. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : परिचयात्मक अध्ययन। लोकगाथा - दसमत कैना, कुँअर अछरिया, लोरिक-चंदा, पंडवानी।

इकाई-4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य : परिचयात्मक अध्ययन। लोकनाट्य - नाचा, रहस, समकालीन नाट्य-रूप : चंदैनी गोंदा। पुष्कल साहित्य : जनउला, हाना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन के विषय में समझ और संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का समुचित ज्ञान हो सकेगा।
4. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध होगा।
5. छत्तीसगढ़ के श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव का विकास होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

दीपक सोनी

संदर्भ-ग्रंथ एवं वेब- लिंक

1. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन : मदन लाल गुप्ता
2. छत्तीसगढ़ी गीत : संपादक-जमुना प्रसाद कसार
3. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : डॉ. सत्यभामा आडिल
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोक-साहित्य : डॉ. बिहारी लाल साहू
6. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : मन्नूलाल यदु
7. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य में शास्त्रीय तत्व : डॉ. शैलजा चंद्राकर
8. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल
9. दसमत कैना : संपादक - जय प्रकाश
10. कुँअर अछरिया : संपादक - जय प्रकाश
11. छत्तीसगढ़ी लोककथाएँ http://ignca.nic.in/coilnet/chgr0034.htm#bakari

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र दीपक सोनी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	